B.A. 4th Semester (General) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-4/GE-4

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. Instructions for GE-4 (Honours student of other discipline). 2×10=20

अधोलिखितेसु प्रश्नेषु *दश*प्रश्नानामुत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य देयम्। तत्र 'क' विभागत: प्रश्न*षट्*कं 'ख' विभागतश्च प्रश्न*चतुष्टय*मवश्यमेव चयनीयम।

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃতভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে। তার মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে *ছয়টি* এবং 'খ' বিভাগ থেকে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই দিতে হবে।

Instructions for CC-4 (General students).

निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु 'क' विभागत: प्रश्न*षट्कं* 'ख' विभागतश्च प्रश्न*चतुष्टय*माश्रित्य *दश*प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु *द्वयो:* संस्कृतभाषया उत्तरमवश्यमेव लेखनीयम्।

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে *ছয়টি* এবং 'খ' বিভাগ থেকে *চারটি* প্রশ্ন নিয়ে মোট *দশটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তাদের মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃতভাষায় অবশ্যই লিখতে হবে।

'क' विभाग:

'ক'-বিভাগ

(a) किं नाम कर्मप्रवचनीयम्?
কর্মপ্রবচনীয় কী?

(b) प्रासङ्गिकं सूत्रमुल्लिख्य 'घि' अथवा 'टि' इति संज्ञाया: सोदाहरणं व्याख्या कार्या।
প্রাসঙ্গিক সূত্র উল্লেখ করে 'ঘি' অথবা 'টি'-এর সংজ্ঞা উদাহরণসহ ব্যাখ্যা করো।

(c) 'वृद्धिरादैच्' - इत्यत्र 'आदैच्' पदेन किं बोध्यते? वृद्धिशब्दस्य कोऽर्थ:?
'বৃদ্ধিরাদৈচ্' - এখানে 'আদৈচ্' পদের দ্বারা কী বোঝায়? 'বৃদ্ধি' শব্দের অর্থ কী?

(d) को नाम 'घु' इति? सूत्रमुल्लिख्यताम्।
'ঘু' কাকে বলে? সূত্র উল্লেখ করো।

(e) शून्यस्थानं पूरयतु - '______ सम्प्रसारणम्' का संज्ञा अत्र निर्दिश्यते?
শূন্যস্থান সম্পূর্ণ করো - '______ सम्प्रसारणम्' এখানে কোন সংজ্ঞার নির্দেশ করা হয়েছে?

(f) व्याकरणशास्त्रे 'भाष्यम्' इत्यनेन किं बोध्यते?

ব্যাকরণশাস্ত্রে 'ভাষ্য' বলতে কী বোঝায়?

(g) पाणिनिमतानुसारेण 'अदेङ्गुणः' इति सूत्रं व्याख्यायताम्।

পানিনির মত অনুসরণে 'अदेङ्गुणः' সূত্রটি ব্যাখ্যা করো।

(h) अन्त्यादलः पूर्ववर्णस्य का संज्ञा भवति? उदाहरणमेकं प्रदीयताम्।

শব্দের অন্ত্যবর্ণের পূর্ববর্ণের কোন সংজ্ঞা হয়? একটি উদাহরণ দাও।

(i) सोदाहरणं 'गति' इति संज्ञायाः लक्षणं दीयताम्।

উদাহরণসহ 'গতি' সংজ্ঞার লক্ষণ উল্লেখ করো।

'ख' विभागः

'খ'-বিভাগ

(a) निम्नलिखितेषु पदेषु कस्यचित् *पदद्वयस्य* व्युत्पत्तिं निरूपयत

নীচের যে কোনো *দুটি* পদের ব্যুৎপত্তি নির্ণয় করো

शिष्यः, लक्ष्मीवान्, देयम्, प्राप्य

(b) निम्नलिखितेषु द्वयोः परिनिष्ठितं रूपं लिखत —

নীচের যে কোনো দুটির পরিনিষ্ঠিত রূপ লেখো

प्र-वस्+ल्यप्, पच्+क्त, कृ+ण्यत्, पा-सन्+लट् ति

(c) निम्नोक्तेषु अशुद्धपदानां शुद्धरूपं निर्णेयम् —

নিম্নলিখিত অশুদ্ধ পদগুলির শুদ্ধরূপ নির্ণয় করো

(i) प्राते स मिथ्यामवदत्

(ii) गृहमागत्वा रामः शय्यायामधिशेते

(d) णिजन्तधातुनिष्पन्नयोः द्वयोः पदयोरुल्लेखः करणीयः

ণিজন্তধাতুনিষ্পন্ন দুটি পদের উল্লেখ করো

(e) एकपदीकरणं क्रियताम् (यथाकामं द्वयम्)

এককথায় প্রকাশ করো(যে কোনো দুটি)

ज्ञातुमिच्छति, पुनः पुनः पठति, पुत्रमिव आचरति, धनमिच्छति।

(f) यङ्प्रत्ययनिष्पन्नं पदद्वयं लिख्यताम्।

যঙ্প্রত্যয়নিষ্পন্ন যে কোনো দুটি পদের উদহরণ দাও।

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथेच्छं *चतुर्णां* प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तन्मध्ये प्रश्न*द्वयं* संस्कृतभाषया लिख्यताम्। 5×4=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তার মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

(a) अर्थसहयोगेन कतिपय णिजन्तधातूनां प्रयोगान् प्रदर्शय। 5
অর্থসহযোগে কিছু ণিজন্তধাতুসমূহের প্রয়োগ দেখাও।

(b) सोदाहरणं 'क्त्वाच्-ल्यप्' इति प्रत्ययानां भेदान् आलोचय। 5
উদাহরণসহযোগে 'ক্তাচ্' এবং 'ল্যপ্' প্রত্যয়ের মধ্যে ভেদসমূহ আলোচনা করো।

(c) का 'निष्ठा'? वर्तमाने 'क्त' इति प्रत्ययस्य व्याख्या कार्या। 1+4=5
'নিষ্ঠা' বলতে কী বোঝো? বর্তমানকালে 'ক্ত' প্রত্যয়ের ব্যাখ্যা করো।

(d) संस्कृतभाषायाम् उपसर्गाणां विविधप्रयोगा: आलोच्यन्ताम्। 5
সংস্কৃতভাষায় উপসর্গের বিবিধ প্রয়োগ আলোচনা করো।

(e) संक्षिप्त टीका कार्या (यथेच्छं *द्वयम्*) - 2½×2=5
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো (যে কোনো *দুটি*) -
वार्त्तिकम्, नदी, सूत्रम्, निपात:

(f) सार्थकवाक्यरचनया अर्थपार्थक्यं निर्दिश (यत्किञ्चन द्वितयम्) - 2½×2=5
যে কোনো দুজোড়া পদের সার্থক বাক্যরচনার মাধ্যমে অর্থপার্থক্য দেখাও।

(i) उदन्यति - उदकीयति
(ii) पितृवत् - पितृमत्
(iii) मित्रम् - मित्र:
(iv) आम्रम् - आम्र:

3. अधोनिर्दिष्टेषु विभागद्वयेषु प्रश्न*मेक*माश्रित्य प्रश्न*द्वयस्य* उत्तरं दीयताम्। 10×2=20
নিম্নলিখিত বিভাগ *দুটি* থেকে *একটি* করে প্রশ্ন নিয়ে মোট *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।

'क' विभाग:
'ক'-বিভাগ

(a) कुत्र 'सन्'-'यङ्' इति प्रत्ययानां प्रयोगा: परिलक्ष्यन्ते? दृष्टान्तयोगेन आलोच्यताम्। 5+5=10
কোথায় 'সন্' 'যঙ্' ইত্যাদি প্রত্যয়ের প্রয়োগসমূহ দেখা যায়? উদাহরণসহ আলোচনা করো।

(b) (i) भूमनिन्दाप्रशंसासु नित्ययोगेऽतिशायने।
संसर्गेऽस्ति विवक्षायां भवन्ति मतुवादय:।।
— इयं कारिका व्याख्या कार्या। 5+5=10
— এই কারিকাটি ব্যাখ্যা করো।

(ii) दृष्टान्तयोगेन 'कृत्यप्रत्यय' विषयकं संक्षिप्तवर्णनं प्रदेयम्।
কৃত্যপ্রত্যয় সম্বন্ধে উদাহরণ সহযোগে সংক্ষিপ্ত বর্ণনা দাও।

'ख' विभाग:

'খ'-বিভাগ

अधोलिखितमनुच्छेदं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानामुत्तराणि लिखत (संस्कृते) -

নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদটি পাঠ করে প্রদত্ত প্রশ্নসমূহের উত্তর লেখো (সংস্কৃত ভাষায়) -

(a) अस्ति नर्मदातीरे धर्मपुर नामधेयं नगरम्। तत्र जीमूतवाहनो नाम राजा बभूव। स राजामात्यसहितः सुखासीन आस्ते। इत्यवं काले एका स्त्रीः करुणस्वरेण रोदिति। क्रन्दनं श्रुत्वा राजा प्रतीहारमादिदेश-प्रतीहार! का रोदिति इति गत्वा विचारय। ततो गत्वा स वदति - मातः! का त्वं, कथं वा रोदिषि? सा ब्रूते नागमाताहम्! ममाष्ट पुत्राः गरुडेन खादिताः। एष एकः पुत्रो विद्यते। तमपि द्वेषभावेन स खादितुं स्पृहयति। तच्छ्रुत्वा राजा वदति - प्रतीहार! गत्वा तां ज्ञापय, अहं तस्याः पुत्ररक्षां करिष्यामीति।

(i) जीमूतवाहनः कुत्र वसति स्म? 1

(ii) तस्य कीदृशी आसीत् स्थितिः? 2

(iii) स प्रतीहारं किमर्थमादिदेश? 2

(iv) स किमादिदेश? 1

(v) अत्र 'सा' इत्यनेन का बोध्यते? 1

(vi) सा कथं रोदिति स्म? 2

(vii) राजा प्रतीहारं किमुवाच? 1

(b) अस्ति कस्मिंश्चित् समुद्रोपकण्ठे महान् जम्बुपादपः सदाफलः। तत्र च रक्तमुखो नाम वानरः प्रतिवसति स्म। अथ कदाचित् तस्य तरोरधस्तात् करालमुखो नाम मकरः समुद्रसलिलान्निष्क्रम्य सुकोमलवालुकासनाथे तीरोपान्ते न्यविशत्। ततश्च रक्तमुखेन स प्रोक्तः - भोः! भवान् समभ्यागतो मेऽतिथिः, तद् भक्षयतु मया दत्तान्यमृतकल्पानि जम्बुफलानि। एवमुक्त्वा तस्मै जम्बुफलानि ददौ। सोऽपि तानि भक्षयित्वा तेन सह चिरं गोष्ठीसुखमनुभूय भूयोऽपि स्वभवनं गतः। एवं नित्यमेव तौ वानरमकरौ, जम्बुच्छायाश्रितौ विविधालापेन कालं नयन्तौ सुखेन तिष्ठतः।

(i) जम्बुपादपः कीदृशः आसीत्? 1

(ii) वानरः कुत्र वसति स्म? 1

(iii) वानरस्य नाम किम्? 1

(iv) करालमुखः कस्य नाम? 1

(v) करालमुखः कुतः समागतः कुत्र च न्यविशत्? 2

(vi) वानरः करालमुखं किमुक्तवान्? 2

(vii) जम्बुफलानि खादित्वा मकरः किमकरोत्? 2